



pankj



12

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121417101

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
23-24/03/1983 :	जन्म तिथि	: 24-25/05/1986
बुध-गुरुवार :	दिन	: शनि-रविवार
घंटे 05:05:00 :	जन्म समय	: 05:05:00 घंटे
घटी 56:42:04 :	जन्म समय(घटी)	: 59:16:28 घटी
India :	देश	: India
Bilaspur :	स्थान	: Kangra
31:18:00 उत्तर :	अक्षांश	: 32:04:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:24:56 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:24:10 :	सूर्योदय	: 05:22:51
18:35:33 :	सूर्यास्त	: 19:20:57
23:37:05 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:39:52
कुम्भ :	लग्न	: वृष
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
कर्क :	राशि	: वृश्चिक
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: मंगल
पुष्य :	नक्षत्र	: ज्येष्ठा
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: बुध
1 :	चरण	: 3
अतिगण्ड :	योग	: सिद्ध
गर :	करण	: तैतिल
हू-हुकमसिंह :	जन्म नामाक्षर	: यी-यीशा
मेष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन
विप्र :	वर्ण	: विप्र
जलचर :	वश्य	: कीटक
मेष :	योनि	: मृग
देव :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: आद्य
मेष :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

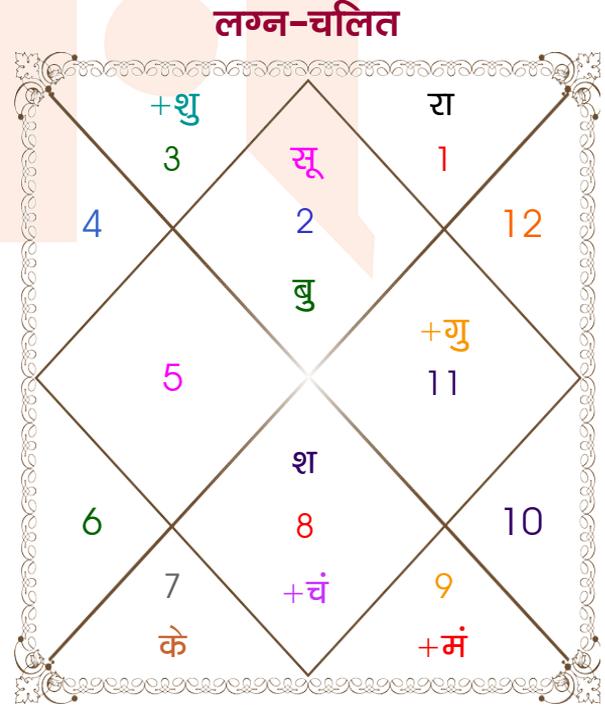
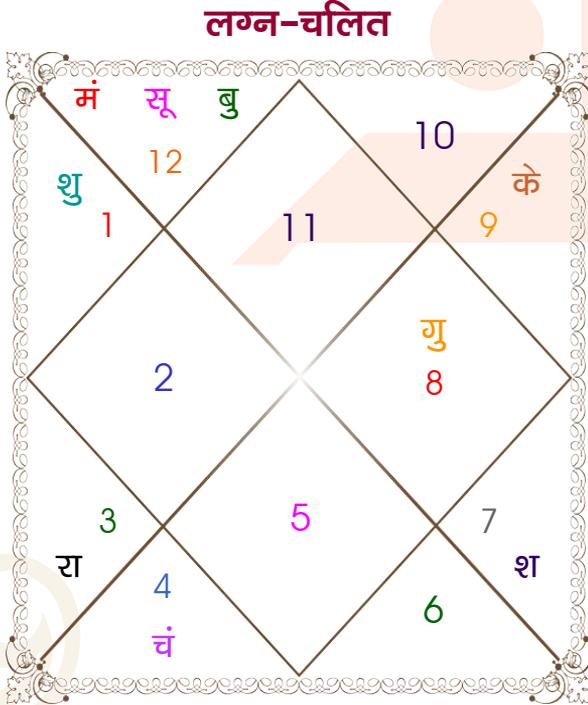
विंशोत्तरी	
शनि 18वर्ष 2मा 4दि	
शुक्र	
27/05/2025	
27/05/2045	
शुक्र	26/09/2028
सूर्य	26/09/2029
चन्द्र	28/05/2031
मंगल	27/07/2032
राहु	28/07/2035
गुरु	28/03/2038
शनि	27/05/2041
बुध	27/03/2044
केतु	27/05/2045

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
09:29:33	कुंभ	लग्न	वृष	03:46:52
09:09:00	मीन	सूर्य	वृष	09:49:25
03:54:35	कर्क	चंद्र	वृश्चि	25:48:20
26:57:12	मीन	मंगल	धनु	28:05:56
06:39:46	मीन	बुध	वृष	12:11:57
17:16:50	वृश्चि	गुरु	कुंभ	25:35:52
11:54:51	मेष	शुक्र	मिथु	10:25:34
09:32:46	तुला व	शनि व	वृश्चि	12:58:28
05:47:16	मिथु व	राहु व	मेष	05:56:27
05:47:16	धनु व	केतु व	तुला	05:56:27
15:27:12	वृश्चि व	हर्ष व	वृश्चि	27:25:23
05:35:46	धनु	नेप व	धनु	11:35:02
05:13:21	तुला व	प्लूटो व	तुला	11:32:44

विंशोत्तरी	
बुध 5वर्ष 4मा 5दि	
चन्द्र	
28/09/2024	
29/09/2034	
चन्द्र	30/07/2025
मंगल	28/02/2026
राहु	30/08/2027
गुरु	29/12/2028
शनि	30/07/2030
बुध	29/12/2031
केतु	29/07/2032
शुक्र	30/03/2034
सूर्य	29/09/2034

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

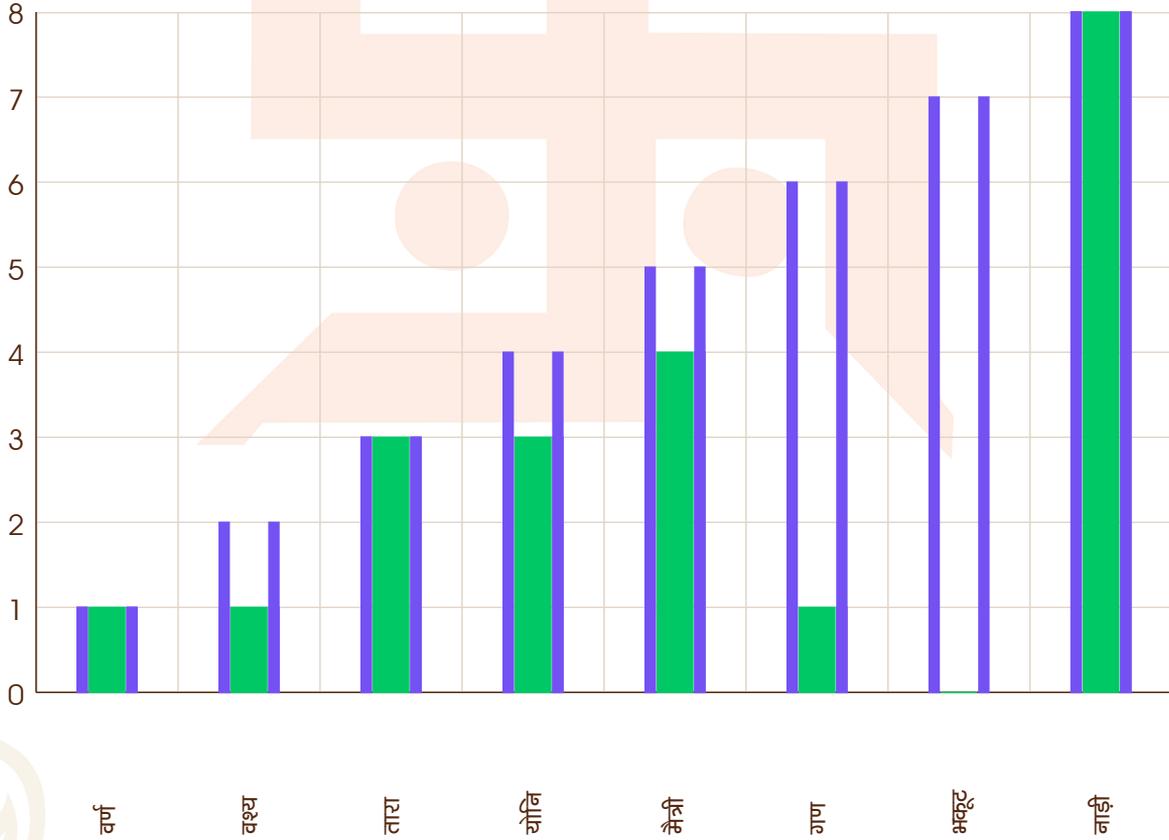
23:37:05 चित्रपक्षीय अयनांश 23:39:52



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : 21 / 36



अष्टकूट मिलान

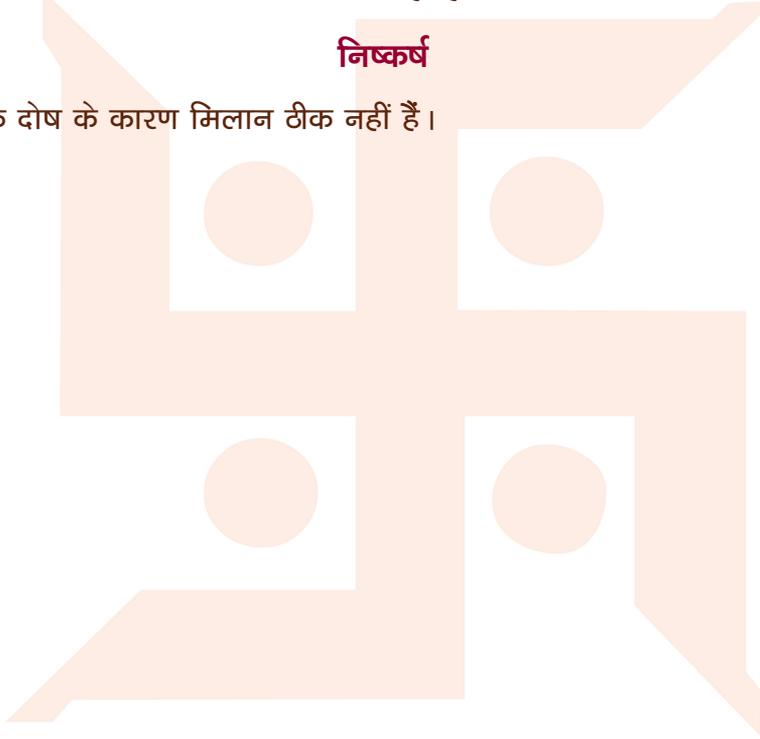
भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।
pankj का वर्ग मेष है तथा 12 का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार pankj और 12 का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

pankj मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।
12 मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।
pankj तथा 12 में मंगलीक मिलान ठीक नहीं है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

pankj का वर्ण ब्राह्मण तथा 12 का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

pankj का वश्य जलचर है एवं 12 का वश्य कीट है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट वश्य न तो एक-दूसरे के मित्र होते हैं और न ही शत्रु होते हैं। अर्थात् दोनों एक-दूसरे के प्रति सम होते हैं। जलचर pankj एवं कीट 12 के बीच वैवाहिक संबंध होने पर दोनों के बीच उदासीनता के साथ-साथ प्रेम का अभाव भी बना रहेगा जिससे जीवन बिल्कुल नीरस हो सकता है। अधिकतर समय दोनों एक-दूसरे के बीच समझौता करके अपना जीवन यापन करते रहेंगे किंतु समय-समय पर जैसे डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है। उसी प्रकार pankj को हमेशा सावधान रहना पड़ेगा अन्यथा उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

तारा

pankj की तारा अतिमित्र तथा 12 की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। pankj हमेशा 12 के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

pankj की योनि मेष है तथा 12 की योनि मृग है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से

उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में pankj का राशि स्वामी 12 के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि 12 का राशिस्वामी pankj के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

pankj का गण देव तथा 12 का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में 12 निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो घर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। 12 की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

pankj से 12 की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा 12 से pankj की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण 12 को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

pankj की नाड़ी मध्य है तथा 12 की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

pankj की राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा 12 की राशि भी जलतत्व युक्त वृश्चिक है। दोनों जलतत्व होने के कारण इनमें स्वाभाविक समानता रहेगी तथा एक दूसरे को समझने तथा सहयोग प्रदान करने में तत्पर होंगे फलतः मिलान अच्छा रहेगा।

pankj की राशि का स्वामी चन्द्र तथा 12 की राशि का स्वामी मंगल परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से यद्यपि 12 यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेगी परन्तु pankj सदैव सामंजस्य करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर संबंधों में मधुरता में वृद्धि होगी तथा जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

pankj और 12 की राशियां परस्पर पंचम-नवम भाव में पड़ती है। यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से pankj और 12 के मध्य यदा कदा अंकार का भाव उत्पन्न होगा जिससे संबंधों में कटुता आएगी तथा परस्पर विवाद एवं विरोध भी रहेगा। ऐसी स्थिति में यदि pankj और 12 बुद्धिमता एवं सामंजस्य का परिचय दें तो उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता आ सकती है जिससे वैवाहिक जीवन आनंदमय हो सकता है।

pankj का वश्य जलचर एवं 12 का वश्य कीट है। नैसर्गिक रूप से कीट एवं जलचर में समता तथा मित्रता होती है। अतः इनकी अभिरुचियां समान होगी एवं शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान रहेगी। साथ ही एक दूसरे की काम भावनाओं को शांत तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी।

pankj और 12 दोनों का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान रहेगी तथा शैक्षणिक धार्मिक एवं शास्त्रीय विषयों की अध्ययन के प्रति रुचि रहेगी। फलतः कार्य क्षेत्र में स्वपरिश्रम एवं बुद्धि से उन्नति मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

धन

pankj का जन्म अतिमित्र तथा 12 का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से 12 एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा 12 के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार pankj और 12 आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

pankj और 12 को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ

होंगे।

स्वास्थ्य

pankj की नाड़ी मध्य तथा 12 की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से pankj रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबंधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए pankj को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से pankj और 12 का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से pankj और 12 को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त pankj और 12 के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

12 का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः 12 के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार 12 सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा pankj और 12 को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार pankj और 12 का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

12 के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही 12 सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में 12 को काफी परेशानी तथा असुविधा

का सामना करना पड़ेगा। यदि 12 धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से 12 के संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्द्विता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही 12 ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

pankj के अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में pankj के संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृत्ति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण pankj के प्रति सामान्य ही रहेगा।